INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान
पटवार

भाग-1

हिंदी + अंग्रेजी

राजस्थान अधीनस्थ और मंत्रालयिक
सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "राजस्थान पटवारी नोट्स" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है/ ये नोट्स पाठकों को राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB) द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा " राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा – 2021" में पूर्ण संभव मदद करेंगे/

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सुधी पाठको का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशक:

INFUSION NOTES

225, OKAY PLUS SPACES, मालवीयनगर इंडस्ट्रियल एरिया, नियर अपैक्स सर्किल, जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784

ईमेल : contact @ infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com/

मूल्य : ₹600

संस्करण : नवीनतम (2021)

हिंदी

1. वर्ण विचार	1
2. संधि	5
3. iR;; ,o milx	15
4. समास	22
5. संज्ञा	46
6. सर्वनाम	52
7. विशेषण	55
8. लिंग	59
9. कारक	63
10. क्रिया	65
11. काल	67
12. वाच्य	69
13. अव्यय	71
14. पर्यायवाची शब्द	78
15. विलोम शब्द	85
16. विराम चिन्ह	104
17. वाक्य रचना	108
18. वाक्य शुद्धि	115
19. मुहावरे तथा लोकोक्तियां	123
20. 'kCn 'kf)	144
21. शब्द ;Xe dk vFkHkn	152
22. पारिभाषिक एवं प्रशासनिक शब्दावली	160
23. okD;k'k d fy, ,d mi;Dr 'kCn	172

ENGLISH

1. Correction of common errors	186
-Article	
-Noun	
-Pronoun	
-Adjective	
-The verb	
-Modal verbs	

-Adverb
-Preposition
-Conjunction
-Time and Tense
-Spotting Errors

2. Idiom & Phrases 289
3. Antonyms and Synonyms 314
4. Comprehension of unseen passage 319

अध्याय - I

वर्ण विचार

भाषा के दो रूप होते हैं-

1. **मौखिक या उच्चारित भाषा-** मौखिक भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि होती है। वास्तव में ध्वनि का संबंध सुनने व बोलने से है। यह भाषा उच्चारण पर आधारित होती है। उच्चारण करने के लिए मानव के जो मुख्य-अवयव काम करते हैं वह उच्चारण अवयव कहलाते हैं।

2. **लिखित भाषा-** लिखित भाषा की सूक्ष्मतम इकाई वर्ण होती है। वर्ण का संबंध लिखने व देखने से है। वर्ण ध्वनि रूपी आत्मा का शरीर है। लिखित रूप से भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हो वर्ण कहलाते हैं।
जैसे एक शब्द है - नीला।
नीला शब्द के यदि टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- नी + ला
अब यदि नी और ला के भी टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- न् + ई तथा ल् + आ।
अब यदि न ई, ल् आ के भी हम टुकडे करना चाहे तो यह संभव नहीं है। अतः ये वर्ण कहलाते हैं।
ये वर्ण दो ही प्रकार के होते हैं- स्वर तथा व्यंजन
वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, शब्दों के मेल से वाक्य तथा वाक्यों के मेल से भाषा बनती है।
अतः वर्ण ही भाषा का मूल आधार है।
हिंदी में वर्णों की संख्या ५५ है।
वर्णों को दो भागों में बांटा जाता है

1. **स्वर** 2. **व्यंजन**

1. **स्वर** - स्वतंत्र रूप से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ स्वर कहलाती है, अर्थात वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता नहीं होती स्वर कहलाते हैं।
स्वरों की संख्या ।। - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
मात्राओं की संख्या ।0 - क्योंकि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती।

2. **व्यंजन** - वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता होती है, अर्थात स्वरों के सहयोग से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ व्यंजन कहलाती हैं।
व्यंजनों की संख्या 33 होती है।

विशेष

1. हिंदी निदेशालय 1966 के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।
2. हिंदी की मानक लिपि 'देवनागरी' के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।
स्वरों का वर्गीकरण पांच भागों में बांटा जाता है।

1. उच्चारण अवधि के आधार पर-

1. **लघु स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में कम समय लगता है, अर्थात् एक मात्रा का समय लगता है, लघु स्वर कहलाते हैं।

जैसे- अ, इ, उ, ऋ
इन्हें मूल स्वर और ह्रस्व स्वर भी कहते हैं।

2. **दीर्घ स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में लघु स्वरों की तुलना में दोगुना समय लगता है अर्थात दो मात्रा का समय लगता है, दीर्घ स्वर कहलाते हैं।

जैसे- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
इन्हें संधि स्वर भी कहते हैं।

3. ओष्ठाकृति के आधार पर -

1. **वृत्ताकार स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत्त के समान गोल हो जाती है, वृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।

जैसे- उ, ऊ, ओ, औ

2. **अवृत्ताकार स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत के समान गोल न होकर फैले रहते हैं। अवृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।
जैसे- अ, आ, इ, ई, ऋ, ए, ऐ

3. जिह्वा की क्रियाशीलता के आधार पर:-

पितृ + अनुमति पित्रनुमति

मातृ + आदेश = मात्रादेश

धातृ + अंश = धात्रंश

दातृ + उदारता = दात्रुदारता

भातृ + अकाष्ठ = भात्रुत्कष्ठा

पहचान -

यण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः य्, व्, र् से पहले आधा वर्ण आता है, और इनका विच्छेद इन्हीं वर्णों से किया जाता है।

अयादि सन्धि -

नियम - यदि ए, ऐ,ओ,औ के बाद कोई भी स्वर आए तो ए के स्थान पर अय् , ऐ के स्थान पर आय्, ओ के स्थान पर अव् तथा औ के स्थान पर आव् हो जाता है।

ने + अन = नयन

न् ए + अ न

न् अय् + अन

नयन

न् अ य् अ न् अ

न् ए अन

ने + अन

पे + अन

पावक पवन पो + अन

शे + अन = शयन

नै + अक = नायक

भो + अन = भवन

गै + इका = गायिका

ग् + ऐ + इका

ग् आय् + इका

गायिका

गै + इका

पौ + अक = पावक

नौ + इक = नाविक

धावक = धौ + अक

हवन = हो + अन

गायक = गै + अक

चयन = चे + अन

कावे = को + इ

अयादि = ए + आदि

आय = ऐ + अ

भव = भो + अ

हो + इ = हवि (हवन सामग्री)

सै + अक = सायक (तीर)

श्रौ + अक = श्रावक (जैन उपासक)

शो + अक = शावक

श्रो + अन = श्रवण

पहचान -

अयादि सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः य् या व् वर्ण आते हैं लेकिन इनसे पहले कोई भी आधा वर्ण नहीं आता है।

अपवाद - गो + अक्ष = गवाक्ष

गव + अक्ष

गो + अ + अक्ष

व्यंजन सन्धि -

व्यंजन के बाद में स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं।

जैसे - वाक् + ईश = वागीश

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

नियम (1) - यदि वर्ग के प्रथम वर्ग (क्,च्, ट् ,त्,प्) के बाद किसी भी वर्ग का तीसरा, चौथा वर्ण (ग्, घ्, ङ्, झ्, ड, ढ, द्, ध्, ब्, भ्), अन्तःस्थ वर्ण (य्, र्, ल्, व्) या कोई स्वर आए तो प्रथम वर्ण अपने ही वर्ग के तीसरे वर्ण में बदल जाता है।

(क्, च्, द्, त्, प्) + (ग्, घ्, ङ्, झ्, ड, ढ, द्, ध्, ब्,
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
भ्),(य्, र्, ल्, व्) / स्वर

ग् ज् ड द ब

जैसे - दिक् + गज = दिग्गज ज=जन्म लेना

जगत् + ईश = जगदीश द = देने वाला
ऋक् + वेद = ऋग्वेद ध = धारण करने

अच् + अन्त = अजन्त (जिसे जीता न जा सके) जलज= कमल षट् + गुण =षड्गुण

जलद = बादल सत् + आचार = सदाचार

जलधि = समुद्र

सुप् + अन्त = सुबन्त (बसन्त)

अप् + ज = अब्ज (अप् = पानी, अन्ज = कमल)

सद् + उपदेश = सदुपदेश

तत् + उपरान्त = तदुपरान्त

जगत् + अम्बा = जगदम्बा

उत् + घाटन = उद्घाटन

भगवत् + गीता = भगवद्गीता

दिक् + अम्बर = (दिगम्बर)

वाक् + ईश = वागीश (गुरु, वृहस्पति)

षट् + राग = षड्राग

षट् + रस = षड्रस

नियम (2)- यदि वर्ग के प्रथम वर्ण (क्, च्, ट, त्, प्) के बाद न् या म् आए

तो प्रथम वर्ण अपने ही वर्ग के पाँचवें वर्ग में बदल जाता है।

क्, च्, ट, त्, प् + न्, म्

ङ्, ण् ,न्, म्

जैसे –

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

वाक् + मय = वाङ्मय

षट् + मुख = षण्मुख

उत् + नति = उन्नति

चित् + मय= चिन्मय

उत् + मूलन = उन्मूलन

षट् + मास = षण्मास

नियम (3)-

यदि म् के बाद स्पर्श वर्ण आए तो म् को स्पर्श वर्ण के अन्तिम वर्ण में बदल देते हैं। यदि अन्तःस्थ, ऊष्म या संयुक्त वर्ण आए तो म् को अनुस्वार में बदल देते हैं और यदि कोई स्वर आए तो दोनों को जोड़ देते हैं।

सम् + जय = सञ्जय

सम् + तोष =सन्तोष सम् = संस्कृत

सम् + ताप = सन्ताप सम् = हिन्दी

मृत्युम् + जय = मृत्युञ्जय सन्धि युक्त पद नहीं बनता

आलम् + कार = आलङ्कार

अध्याय – 3

प्रत्यय (Suffix) ,o milx

परिभाषा:-

वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत मे लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते है, उन्हे प्रत्यय कहते हैं। शब्दों में प्रत्यय लगाकर उसी शब्द से विभिन्न अर्थों को प्राप्त किया जा सकता है।

प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जिनका कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता। वे जिस शब्द के साथ जुडते है, उसके अर्थ को प्रभावित करते हैं।

प्रत्यय में संधि नियम लागू नहीं होता है।

हिन्दी में प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं-

1. **तद्धित प्रत्यय**
2. **कृत/कृदंत प्रत्यय**

1. **तद्धित प्रत्यय** – जो प्रत्यय क्रिया के धातु – रूपों को छोड़कर अन्य शब्दों जैसे – संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम आदि के साथ लगकर नये शब्द का निर्माण करते हैं, उन्हे तद्धित प्रत्यय कहते हैं तथा इनसे बने शब्दों को 'तद्धितान्त' कहते हैं।

जैसे – बंगाल + ई = बंगाली

यहाँ 'ई' तद्धित प्रत्यय है क्योंकि यह बंगाल नामक संज्ञा के साथ मिलकर नया शब्द 'बंगाली' बना रहा है।

तद्धित प्रत्यय 6 प्रकार के होते हैं।

1. कर्त्तृवाचक तद्धित प्रत्यय
2. भाववाचक तद्धित प्रत्यय
3. संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय
4. अप्रत्यय वाचक/संतान बोधक तद्धित प्रत्यय
5. ऊनतावचक / हीनता / लघुता वाचक तद्धित प्रत्यय
6. स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय

1) कर्त्तृवाचक तद्धित प्रत्यय

– वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द के अंत मे जुड़कर कर्तृवाचक शब्द का निर्माण करते हैं, कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
आरी	पूजा भीख	पूजारी भिखारी
हरा	घास बास ठाठ	घसेरा बसेरा ठठेरा
आरा	बानिज हत्या	बानिजार हत्यारा
आर	लोहा सोना चाम गाँव	लुहार सुनार चमार गंवार
इया	रस दुःख छल	रसिया दुखिया छलिया
ई	भेद तेल	भेदी तेली
ची	नकल खजाना तोप	नकलची खजानची तोपची
दानी	पीक	पीकदानी

अज्ञात	-	न ज्ञात
असत्य	-	न सत्य
अनदेखी	-	न देखी
नास्तिक	-	न आस्तिक
अयोग्य	-	न योग्य
असुंदर	-	न सुंदर
अनाथ	-	बिना नाथ के
असंभव	-	न संभव / नहीं हो जो संभव
अनावश्यक	-	न आवश्यक / नहीं हो जो आवश्यक
ना पसंद	-	न पसंद
नावाजिब	-	न वाजिब

[3] <u>कर्मधारय समास (Appositional Compound):-</u>

जिस समास पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमान-उपमेय अथवा विशेषण-विशेष्यसंबंध हो, कर्मधारय समास कहलाता है।

आसानी से समझने के लिए कर्मधारय समास को दो प्रकारों में बांटा गया है।

इस प्रकार में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद संज्ञा या सर्वनाम अर्थात विशेष्य होता है।

समस्त पद	-	विग्रह
महाकवि	-	महान है जो कवि

(व्याख्या :- यहां महान विशेषण तथा कवि विशेष्य है)

महापुरुष	-	महान है जो पुरुष
महौषध	-	महान है जो औषध
पीतसागर	-	पीत (पीला) है जो सागर
नीलकमल	-	नील (नीला) है जो कमल
नीलांबर	-	नीला है जो अंबर
नीलोत्पल	-	नील (नीला) है जो उत्पल (कमल)
लालमणि	-	लाल है जो मणि
नीलकंठ	-	नीला है जो कंठ
महादेव	-	महान है जो देव
अधमरा	-	आधा है जो मरा
परमानंद	-	परम है जो आनंद
सुकर्म	-	सुंदर है जो कर्म
सज्जन	-	सच्चा है जो जन
लालटोपी	-	लाल है जो टोपी
महाविद्यालय	-	महान है जो विद्यालय
कृष्णसर्प	-	काला है जो सर्प (सांप)
शुभगमन	-	शुभ है जो आगमन
महावीर	-	महान है जो वीर
काली मिर्च	-	काली है जो मिर्च
महेश	-	महान है जो ईश
महायुद्ध	-	महान है जो युद्ध

<u>पहचान:-</u> कर्मधारय समास के विग्रह में "जो" शब्द आता है।

<u>नोट :-</u> कुछ कर्मधारय समास के उदाहरणों में पहला पद विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) तथा

उत्तर पद विशेषण होता है। इनके विग्रह में भी "जो" शब्द आता है।

जैसे:-

समस्त पद	-	विग्रह
पुरुषोत्तम	-	पुरुषों में जो है उत्तम
घनश्याम	-	घन (बादल) है जो शाम (काला)
नराधम (नर+अधम)	-	नरम (व्यक्ति) है जो अधम(नीच)

जब एक पद उपमान (जिससे तुलना की जा रही है) तथा दूसरा पद (जिसकी तुलना की जा रही है),वहां भी कर्मधारय समास होता है।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में 'के समान', 'रूपी' अथवा 'जैसा' शब्द आते हैं।

समस्त पद	-	विग्रह
विद्याधन	-	विद्यारूपी धन (विद्या के समान धन)
राजीवनयन (राजीव + नयन)	-	राजीव अर्थात् कमल जैसे नयन
कमलाक्षी (कमल + लक्ष्मी)	-	कमल जैसी आंखों वाली
कंबू ग्रीवा (कंबू + ग्रीवा)	-	कबूतर जैसी गर्दन वाली
कर कमल (कमल + कमल)	-	कमल के समान कर (हाथ)
मुख चंद्र(मुख + चंद्र)	-	चंद्र सा मुख (चंद्र के समान मुख)
देहलता (देह + लता)	-	लता जैसी देह (शरीर)
वचनामृत (वचन + अमृत)	-	अमृत तुल्य वचन (अमृत के समान वचन)
कन्यारत्न (कन्या + रत्न	-	रत्न जैसी कन्या
मृगनयनी	-	मृग जैसे नयन
चंद्रमुखी	-	चंद्र के समान मुख
शूरवीर	-	शुर के समान वीर
कुसुमकपोल	-	कुसुम (फूल)के समान कपोल (गाल)
स्त्रीरत्न	-	स्त्री रूपी रत्न
क्रोधाग्नि	-	क्रोध रूपी अग्नि
नृसिह	-	सिह रूपी नर
ग्रंथरत्न	-	ग्रंथ रूपी रत्न
कमल नयन	-	कमल के समान नयन
वचनामृत	-	वचन रूपी अमृत
चरण कमल	-	कमल के समान चरण
नयनबाण	-	नयन रूपी बाण
प्राण प्रिय	-	प्राणों के समान प्रिय

मध्यलोपी कर्मधारय समास:-

पूर्वपद तथा उत्तर पद में सम्बन्ध बताने वाले पद का लोप हो जाता है।

समस्त पद	-	विग्रह
पनचक्की	-	पानी से चलने वाली चक्की
रेलगाड़ी	-	रेल (पटरी) पर

अध्याय – 6

सर्वनाम

सर्वनामः सर्व+नाम

सभी संज्ञा

परिभाषा - वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं सर्वनाम कहलाते हैं, अर्थात् किसी वाक्य में एक ही शब्द की बार-बार पुनरावृत्ति न हो इसके लिए संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, सर्वनाम कहलाता है।

जैसे - मितांश जोधपुर रहता है, वह वहाँ पढ़ता है।

सर्वनाम के छह भेद होते हैं -

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. सम्बन्ध वाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनामः- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले वक्ता, सुनने वाले श्रोता या किसी अन्य के लिए प्रयोग किया जाता है, पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे

(1) मैं अपने घर पर रहता हूं।

(2) तुम भी अपने घर जाओ।

(3) वह अपना कार्य कर रहा है।

(4) वे सभी अपनी मस्ती में मस्त हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं -

1. उत्तम पुरुष
2. मध्यम पुरुष
3. अन्य पुरुष

1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता/व्यक्ति अपने लिए करता है, उत्तम पुरुष वाचक सर्वनामक कहलाते हैं -

जैसे - मैं, मुझे, मेरा, मुझको, - एकवचन

हम, हमें, हमारा, हमको - बहुवचन

1. मैं आज अपनी कविता सुनाऊँगा।
2. मुझे कल जयपुर जाना है।
3. मेरा कोई दोस्त नहीं है।
4. हमें सभी का सम्मान करना चाहिए।
5. हम कभी झूठ नहीं बोलेंगें।
6. हमारा पुराना मकान गिर गया।

2. मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम - वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता/व्यक्ति सुनने वाले श्रोता/ व्यक्ति के लिए प्रयोग करता है, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे -

जैसे - तू, तूझे, तेरा, तुझको, तुम, आप।

1. तू यहाँ क्या कर रहा है ?
2. तुम कहाँ जा रहे हो ?
3. तुझे कोई बुला रहा है।
4. आप यहाँ क्या कर रहे हो ?

3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता और सुनने वाला श्रोता किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग करते हैं, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - यह, वह, ये, वे, आप।

1. यह मेरा भाई है।
2. वह तुम्हारी बिल्ली है।
3. ये मेरे पुराने मित्र हैं।
4. वे तुम्हारी गायें हैं।
5. पटेल जी लौह पुरुष कहलाते हैं।
6. आप देश की एकता के सूत्रधार हैं।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2. निश्चयवाचक सर्वनाम:- वे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित वस्तु का बोध कराते हैं, निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - यह, वह, ये, वे

1. यह मेरी पुस्तक हैं।

2. वह तुम्हारी कुर्सी हैं

3. ये हमारी अलमारियाँ हैं।

4. वे तुम्हारी घड़ियाँ हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम:- वे सर्वनाम शब्द जो किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं।

जैसे - कोई, कुछ, किसी।

1. बाहर कोई खड़ा हैं।

2. अंदर कुछ पड़ा हैं।

3. यहाँ कोई आ रहा हैं।

4. चाय में कुछ गिरा हैं।

5. किसी ने उसे मारा हैं।

6. यह किसी का पेन हैं।

4. **सम्बन्धवाचक सर्वनाम:-** वे सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम उपवाक्यों के बीच सम्बन्ध का बोध कराते हैं, सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - जिसकी - उसकी, जैसी-वैसी, जो-सो/वह, जितना-उतना।

1. जिसकी लाठी उसकी भैंस।

2. जैसी करनी वैसी भरनी।

3. जो पढ़ेगा वह पास होगा

4. जितना गुड़ ड़ालोगे उतना मीठा होगा।

5. जो जाएगा सो पाएगा।

6. जो प्रथम स्थान आएगा , वह इनाम पाएगा।

7. जैसे गए वैसे आए।

8. तेते पाँव पसारिए, जेती लांबी सौर।

5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम:-** वे सर्वनाम शब्द जो किसी प्रश्न के करने या होने का बोध कराते हैं, प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं,

जैसे - क्या, कहाँ, कब, कैसे, क्यों, कौन, किसका, किसकी, किसके।

1. आप यहाँ क्या कर रहे हो?

2. वह क्यों नहीं गया?

3. आप कैसे जाओगे?

4. आप कौन?

5. तुम किसके पास थे?

6. यह पेन किसका हैं?

7. उसे क्यों बुलाया था?

6. **निजवाचक सर्वनाम:-** वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग व्यक्ति स्वयं के लिए करता हैं, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - स्वयं, स्वत:, खुद, आप, अपने आप, इत्यादि।

1. मैं अपना कार्य अपने आप करता हूं।

2. वह खुद ही चला गया।

3. मैंने स्वयं की जान ली हैं।

4. वह स्वत: ही रोने लगा।

5. यह समस्या में अपने आप हल कर लूंगा।

6. मैं खाना खुद पकाता हूं।

विशेष:- 'आप' शब्द का प्रयोग तीन सर्वनामों में किया जाता हैं -

1. मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम के रूप में:- 'आदर हेतु'

जैसे -

1. रवि तू कल कहाँ जा रहा हैं?

व्यक्ति स्वयं के लिए करता हैं, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

अध्याय – 13

अव्यय (अविकारी शब्द)

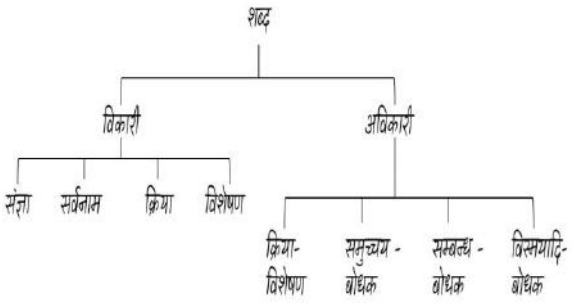

अविकारी या अव्यय शब्द

परिभाषा- "न व्ययेति इति अव्ययम्" के अनुसार अविकारी या अव्यय उन शब्दों को कहते हैं जिन शब्दों का रूप (लिंग, वचन, क्रिया, विभक्ति में) परिवर्तन नहीं होता अर्थात इन शब्दों पर काल, वचन, लिंग, पुरुष आदि का कोई प्रभाव नहीं पडता। ये शब्द जहाँ भी प्रयुक्त होते हैं, वहाँ एक ही रूप में रहते हैं। ये शब्द अव्ययीभाव समास के उदाहरण कहलाते हैं। जैसे- अन्दर बाहर, अनुसार, अधीन, इसलिए, यद्यपि, तथापि, परन्तु आदि। इनके अतिरिक्त अनेक उदाहरण हैं, दिए गए शब्दों का रूप परिवर्तन नहीं किया जा सकता जैसे अन्दर का अन्दरी, अन्दरे, अन्दरा रूप नहीं बन सकता। अतः अव्यय या अवकिारी शब्द हैं। अविकारी शब्दों को सुविधा, स्वरूप और व्यवस्था की दृष्टि से चार भागों में बाँटा गया है।

1. क्रिया-विशेषण

जो शब्द क्रिया के अर्थ में विशेषता प्रकट करते हैं, वे क्रिया विशेषण अविकारी शब्द कहलाते हैं।

जैसे- 1. वह प्रतिदिन पढ़ता है

2. कुछ खा लो।

3. मोहन सुन्दर लिखता है।

4. घोडा तेज दौड़ता है।

इन उदाहरणों में प्रतिदिन कुछ सुन्दर, तेज शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट कर रहे हैं। अतः में शब्द क्रियाविशेषण हैं। क्रिया-विशेषण के चार मुख्य भेद हैं-

(i) कालवाचक (ii) स्थानवाचक

(iii) परिमाणवाचक (iv) रीतिवाचक

कालवाचक- जो क्रिया-विशेषण शब्द क्रिया के होने का समय सूचित करते हैं, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे- 1. सीता कल आएगी।

2. तुम अब जा सकते हो।

3. दिन भर पानी बरसता रहा।

4. तुम प्रतिदिन समय पर आते हो।

वाक्यों में कल, अब, दिनभर, दिन-प्रतिदिन शब्द क्रिया की विशेषता बतला रहे हैं अतः काल वाचक क्रिया-विशेषण हैं।

स्थानवाचक क्रिया-विशेषण- जो शब्द क्रिया के स्थान या दिशा का ज्ञान कराएँ उन्हें स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

जैसे- 1. वह पेड़ के नीचे बैठा है।

2. तुम आगे चलो।

3. हमारे आस-पास रहना।

4. इधर-उधर मत भागो।

इन वाक्यों में आगे, आस-पास, नीचे, इधर-उधर, स्थानवाचक क्रिया विशेषण शब्द हैं।

परिमाण वाचक- जिन क्रिया-विशेषण शब्दों से क्रिया की अधिकता-न्यूनता आदि परिमाण का पता लगे अर्थात नाप-तोल बतलाते हैं, वे परिमाण वाचक क्रियाविशेषण शब्द कहलाते हैं।

जैसे- 1. उतना खाओं, जितना आवश्यक हो।

अध्याय – 15

विलोम शब्द

"अ"

अकाल	सुकाल
अगम	सुगम
अग्र	पश्च
अग्रज	अनुज
अघ	अनघ
अघोष	सघोष
अतिथि	आतिथेय
अतल	वितल
अथ	इति
अर्थ	अनर्थ
अनन्त	अन्त
अनुग्रह	दण्ड,कोप
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व
अनिवार्य	ऐच्छिक
अन्तरंग	बहिरंग
अनुकूल	प्रतिकूल
अनुराग	विराग
अनुरूप	प्रतिरूप
अनुलोम	प्रतिलोम
अधम	उत्तम
अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अनुरक्त	विरक्त
अल्पप्राण	महाप्राण
असीम	ससीम
अन्धकार	प्रकाश
अनुक्रिया	प्रतिक्रिया
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अर्पण	ग्रहण
अरुचि	सुरुचि
अल्पायु	दीर्घायु
अमृत	विष
अमर	मृत्य
अल्प	प्रचुर
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक
अलभ्य	प्राप्य,लभ्य
अवर	प्रवर
अवनति	उन्नति
अर्वाचीन	प्राचीन
अवशेष	निशेष
अवनि	अम्बर
अवतल	उत्तल
अस्त	उदय
अक्षम	सक्षम
अज्ञ	विज्ञ
अपेक्षित	अनपेक्षित
अपेक्षा	उपेक्षा
अपयश	सुयश
अपमान	सम्मान
अपकार	उपकार
अनाहूत	आहूत
अनुयायी	विरोधी

"आ"

आग्रह	दुराग्रह

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. वह यहाँ आया।

2. उस समय मैं पुस्तक पढ़ रहा था।

3. झूठे आदमी से सभी घृणा करते हैं।

(उक्त वाक्य में से योजक शब्द हटा दिया गया है।)

4. कच्चा आम खट्टा होता है।

5. परिश्रमी मनुष्य को सफलता मिलती है।

साधारण (सरल) वाक्य

1. बादल खूब गरजे।

2. उनसे वर्षा नहीं हुई।

3. अक्टूबर बीत गया है।

4. अब भी गर्मी पड़ रही है।

5. सरला ने आम खाए।

6. विमला पेड़ गिनती रही।

7. सत्य बोलने पर भी उसका कोई विश्वास नही करता।

8. वर्षा खूब होने पर भी इस वर्ष फसल अच्छी नही हुई।

पदबंध

परिभाषा - वाक्य में जब एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं तब उस बंधी हुई इकाई को पदबन्ध कहते हैं।

जैसे -

1. पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र राकेश बहुत बुद्धिमान है।

2. हिन्दी पढ़ाने वाले गुरुजी ने मुझे एक अति सुन्दर और उपयोगी पुस्तक दी।

3. किसी व्यक्ति या समाज का उत्थान अनुशासन पर निर्भर है।

उक्त वाक्यों में रेखांकित अंश पदबन्ध हैं। पदबन्ध में विकारी और अविकारी दोनों प्रकार के शब्द हो सकते हैं और वे मिलकर व्याकरणिक इकाई पदबन्ध का कार्य करते हैं। पदबन्ध के आठ भेद हैं - 1. संज्ञा पदबन्ध 2. सर्वनाम पदबन्ध 3. क्रिया पदबन्ध 4. विशेषण पदबन्ध 5. क्रिया विशेषण पदबन्ध 6. सम्बन्ध बोधक पदबन्ध 7. समुच्चयबोधक पदबन्ध 8. विस्मयादि बोधक पदबन्ध।

1. **संज्ञा पदबन्ध** - जब कोई पद समूह वाक्य में संज्ञा का काम देता है तो उसे संज्ञा पदबन्ध कहते हैं। जैसे

1. पास के मकान में रहने वाला आदमी मेरा परिचित है।

2. यह पेड़ तो किसी बड़े और तेज धार वाले कुल्हाड़े से कट सकता है।

अत: रेखांकित अंश संज्ञा पदबन्ध हैं।

2. **सर्वनाम पदबन्ध** - वाक्य में सर्वनाम का कार्य करने वाले पदबन्ध को सर्वनाम पदबन्ध कहते हैं।

जैसे –

1. भाग्य का मारा मैं कहाँ आ पंहुचा /

2. चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे।

3. है यहाँ ऐसा कोई! जो साँप को पकड़ ले।

अत: रेखांकित पदबन्ध सर्वनाम पदबन्ध है।

3. **क्रिया पदबन्ध**- एक से अधिक क्रिया पदों से बनने वाले क्रिया रूपों को क्रिया पदबन्ध कहते हैं। जैसे –

1. कहा जा सकता है।

2. जाता रहता था।

3. निकलता जा रहा है।

4. लौटकर कहने लगा।

4. **विशेषण पदबन्ध** - जब कोई पद समूह किसी संज्ञा, सर्वनाम की विशेषता बताए तो उसे विशेषण पदबन्ध कहते हैं।

जैसे-

1. शेर के समान बलवान (आदमी)।

2. जोर-जोर से चिल्लाने वाले (तुम)।

3. सुन्दर और स्वच्छ लेख लिखने वाला (छात्र)।

5. **क्रिया-विशेषण पदबन्ध**- वह वाक्यांश या पद समूह जो क्रिया - विशेषण का कार्य करें उसे क्रिया-विशेषण पदबन्ध कहते हैं। जैसे-

1. घर से लौटकर जाऊंगा।

2. पहले से बहुत धीरे चलने लगा।

3. जमीन पर लोटते हुए बोला।

इन वाक्यों में सभी पदबन्ध क्रिया की विशेषता बता रहे हैं।

6. **सम्बन्ध बोधक पदबन्ध** - जो शब्द वाक्य में दो पदबन्धों के बीच सम्बन्ध स्थापित करावे, उन शब्दों को सम्बन्ध बोधक पदबन्ध कहेंगे। जैसे-बदले, वासो, पलटे, समान, योग्य, सरीखा, ऊपर, भीतर, पीछे से, बाहर की ओर आदि 'शब्द' वाक्य में सम्बन्ध बोधक पदबन्ध कहे जाते हैं। (1) राम की ओर (2) छत के ऊपर (3) कृष्ण के समान आदि।

7. **समुच्चय बोधक पदबन्ध** - जो 'शब्द, वाक्यांश' एक पदबन्ध को दूसरे वाक्य/वाक्यांश से मिलाते हैं उन्हें समुच्चय बोधक पदबन्ध कहेंगे। जैसे-

1. राम और श्याम विद्यालय जाते हैं।

2. तुम आओगे अथवा श्याम आएगा।

3. यद्यपि यह काम कठिन है तथापि तुम इसे कर सकते हो।

8. **विस्मयादि बोधक पदबन्ध** - किसी वाक्य में हर्ष, शोक, विस्मय, लज्य, ग्लानि आदि मनोभावों को व्यक्त करने वाले शब्द 'विस्मयादिबोधक पदबन्ध' कहलाते हैं। जैसे -

1. अहा! आज तो मिठाईयाँ बन रही है।

2. हाँ! मैं भी तो सही कहता हूँ

3. ऐ! तुम फर्स्ट आ गए।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 19

मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

मुहावरा :- मुहावरा बात कहने की एक शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावर' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- अभ्यास करना या बातचीत "लक्षणा व व्यंजना द्वारा वह शुद्ध वाक्य जो किसी बोली जाने वाली भाषा में प्रचलित होकर रुढ हो गया हो तथा प्रत्यक्ष अर्थ के बजाय सांकेतिक अर्थ देता हो।"

"मुहावरा" कहलाता है, जैसे खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि।

मुहावरों की निम्न विशेषता में होती हैं :

1. मुहावरों का शाब्दिक अर्थ नहीं, बल्कि (सांकेतिक) अवबोधक अर्थ लिया जाता है। जैसे 'खिचड़ी पकाना' इसका शाब्दिक अर्थ होगा खिचड़ी बनाना, परन्तु मुहावरे के रूप में सांकेतिक अर्थ होगा। षड्यंत्र करना।
2. मुहावरे का अर्थ प्रसंग के अनुसार होता है, जैसे 'लड़ाई में खेत आना' इसका अर्थ है युद्ध में शहीद हो जाना। न कि लड़ाई के स्थान पर मिलने खेत पर चले आना।
3. मुहावरे का मूल रूप कभी नहीं बदलता अर्थात् मुहावरे का स्वरूप स्थिर होता है, अन्यथा मुहावरा नष्ट हो जाता। जैसे 'कमर टूटना' एक मुहावरा है इसके स्थान पर 'कटि भंग' शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता।
4. हिन्दी के अधिकांश मुहावरों का सीधा संबंध शरीर के विभिन्न अंगो यथा - मुँह, कान, नाक हाथ, पाँव आँख, सिर आदि से होता है, जैसे मुह की खाना, कान खड़े होना।
5. मुहावरा भाषा की समृद्धि तथा सभ्यता के विकास का मापकहोता है।

मुहावरों का महत्त्व

(i) भाषा को सजीव बनाते हैं।
(ii) कथन को प्राणयुक्त एवं प्रभावपूर्ण बनाते हैं।
(iii) भाषा में सरलता एवं सरसता उत्पन्न करते हैं।
(iv) भाषा में प्रवाह व चमत्कार उत्पन्न करते हैं।
(v) भाषा को समृद्ध बनाते हैं।

मुहावरों के प्रयोग में सावधानियाँ

1. पहले मुहावरा फिर उसका अर्थ तथा अगली लाइन से वाक्य प्रयोग करना चाहिए, जैसे

   बात का धनी - वायदे का पक्का

   मैं जानता हूँ कि वह बात का पनी है।

2. मुहावरे का वाक्य प्रयोग करते समय तुलना नहीं करनी चाहिए, जैसे- के सामान, की तरह, के पैसा आदि शब्दों का प्रयोग नहीं। यथा -

   अँधे की लकड़ी - एक मात्र सहारा (x)

   अपने वृद्ध माता पिता का एक मात्र संतान मोहन उनके लिए अँधे की लकड़ी ~~के समान~~ है।

3. मुहावरों को कहीं भी डाल देना गलत है, बल्कि कारण बताते हुए कार्य बताना है।

4. घिसे- पिटे वाक्य प्रयोग से बचना चाहिए। (पाक, चीन x)

5. वाक्य प्रयोग का संदर्भ यथा संभव छोटा रखना चाहिए।

6. वाक्य प्रयोग में मुहावरे का प्रयोग करना होता है न कि उसके अर्थ का।

7. मुहावरे को एक वाक्य में लिखना चाहिए, जैसे:

   टेढ़ी खीर होना - कठिन काम होना।

   अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गई हैं कि इसे खत्म करना टेढ़ी खीर हो गई है।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

लोकोक्ति का अर्थ है 'लोक समाज में कही जाने वाली उक्तियाँ' तथा कहावत का अर्थ है 'कही जाने वाली बात।'

ऐसा वाक्य जो चमत्कृत ढंग से संक्षेप में, किसी सत्य या नीति का आशय, सशक्त रूप से व्यक्त करे तथा अधिक समय तक प्रयोग में आकर जनजीवन में प्रचलित हो गया हो लोकोक्ति/ कहावत कहलाती है।

लोकोक्तियों / कहावतों की निम्न विशेषताए होती हैं :

अभ्यास – 21

युग्मशब्द (PAROMYMS) या सच्चरित भिन्नार्थक शब्द

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका उच्चारण एक समान होता है, लेकिन उनके अर्थ में भेद होता है। इन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द अथवा युग्म शब्द अथवा सोच्चारिप्राय भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। इनके उदाहरण

शब्द	अर्थ
1. अम्ब	माता, आम अंबु, अंभ जल
2. अंत्य	नीच, अंतिम अंत समाप्ति
3. अंश	हिस्सा अंस कंधा
4. अँगना	आँगनअंगना स्त्री
5. अंधकारि	शिव अंधकारी भैरव राग क एक स्त्री
6. अंबुज	कमल अंबुधि सागर
7. अविराम	लगातारअभिराम सुन्दर
8. अनल	आग अनिल हवा
9. अणु	कण अनु पीछे
10. अन्न	अनाज
11. अशन	भोजन आसन बैठने की वस्तु
12. अवध्य	जो वध के योग्य न ह अवध निन्दनीय
13. अवदान	निर्मल, सफेद उदात्त ऊँचा
14. आवृत्ति	बेकारीआवृत्ति दुहराना
15. अपेक्षा	इच्छा, तुलना में उपेक्षा निरादर
16. अपथ्य	जो बीमार के अनुकूल न हो अपत्य संतान
17. अन्तराय	विघ्नअन्तराल बीच की फाक
18. अतुल	जिसकी तुलना न हो सके अतल गहरा
19. अनिष्ठ	निष्ठाहीनअनिष्ट बुराई
20. अवलम्ब	सहाराअविलम्ब शीघ्र
21. अश्व	घोड़ा अश्म पत्थर
22. अचर	न चलने वाला अनुचर नौकर
23. अशक्त	असमर्थ असक्त विरक्त
24. अलीक	झूठ अलिक ललाट
25. अन्योन्य	परस्पर अन्यान्य दूसरा-दूसरा
26. अजर	जो बूढ़ा न हो अजिर आँगन अचिर जल्दी
27. अघ	पाप अग अचल, सूर्य

अध्याय – 22

पारिभाषिक एवं प्रशासनिक शब्दावली

राजकीय प्रशासन एवं अन्यत्र भी हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं का चलन है इसलिए अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों भाषाओं की आधारभूत पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होना आवश्यक है। यहाँ भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित विविध शब्दावलियों से मुख्य-मुख्य शब्दावली दी जा रही है। यह शब्दावली ही

अधिकृत है, अतः शब्दों के इसी हिंदी अनुवाद को प्रयोग में लेना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए बृहत् प्रशासन शब्दावली आदि अन्य शब्दावलियों को देखा जा सकता है।

(A)

Abandonment = परित्याग

Abatement = उपशमन/कमी

Abbreviation = संक्षेप/संक्षेपण

Abeyance = आस्थगन

Ability = योग्यता

Abnormal = अपसामान्य

Abolition = उन्मूलन/समाप्ति

Above cited = उपर्युक्त

Above par = औसत से ऊँचा

Abridge = संक्षेप करना

Absence = अनुपस्थिति

Absentee Statement = अनुपस्थिति विवरण

Abstract = सार

Abuse = दुरुपयोग

Academic = शैक्षणिक

Academic Council = विद्या परिषद्

Academic Council = शैक्षणिक परिषद्

Academy = अकादमी

Accede = मान लेना/ सम्मिलित होना

Acceptability = स्वीकार्यता

Acceptance = स्वीकृति

Accessory = उपसाधन/अतिरिक्त

Accident = दुर्घटना/संयोग

Accord = समझौता, देना/अनुकूल होना नई

Accordingly = तदनुसार

Account = लेखा/खाता/ हिसाब

Account Head = लेखा शीर्ष मई

Accountibility = उत्तरदायित्व/ जवाब देही

Accrue = प्रोद्भूत होना

Accuracy = यथार्थता/शुद्धता

Accusation = अभियोग

Accuse = अभियोग लगाना

Acknowledge = अभिस्वीकार करना/मानना

Acknowledgement = पावती/प्राप्ति सूचना/अभिस्वीकृति/रसीदी

Acquire = अवाप्त करना/अर्जन करना

Acquisition of land = भूमि अवाप्ति

Act in force = प्रवृत्त अधिनियम

Acting = कार्यवाहक/कार्यकारी

Action = कार्यवाही

अध्याय – 23

वाक्यांश के लिए एक शब्द

किसी वाक्य का कोई ऐसा अंश जिसका स्वाधीन रूप से एक मतलब निकलता हो ,वाक्यांश

कहलाता हैं/

उदाहरण: तुम उस महिला से क्या बात कर रहे थे जिसका पति मर चुका हैं /

इस में जिसका पति मर चुका हैं वाक्यांश हैं/

वाक्यांश के लिए एक शब्द

- जिसका भाषा द्वारा वर्णन असंभव हो – अनिर्वचनीय
- अत्यधिक बढ़ा–चढ़ा कर कही गई बात – अतिशयोक्ति
- सबसे आगे रहने वाला – अग्रणी
- जो पहले जन्मा हो – अग्रज
- जो बाद मैं जन्मा हो – अनुज
- जो इंद्रियों द्वारा न जाना जा सके – अगोचर
- जिसका पता न हो – अज्ञात
- आगे आने वाला – आगामी
- अण्डे से जन्म लेने वाला – अण्डज
- जो छूने योग्य न हो – अछूत
- जो छुआ न गया हो – अछूता
- जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके – अच्युत
- जो अपनी बात से टले नहीं – अटल
- जिस पुस्तक मैं आठ अध्याय हों – अष्टाध्यायी
  आवश्यकता से अधिक बरसात – अतिवृष्टि
- बरसात बिल्कुल न होना – अनावृष्टि
- बहुत कम बरसात होना – अल्पवृष्टि
- इंद्रियों की पहुँच से बाहर – अतीन्द्रिय/इंद्रियातीत
- सीमा का अनुचित उल्लंघन – अतिक्रमण
- जो बीत गया हो – अतीत
- जिसकी गहराई का पता न लग सके – अथाह
- आगे का विचार न कर सकने वाला – अदूरदर्शी
- जो आज तक से सम्बन्ध रखता है – अद्यतन
- आदेश जो निश्चित अवधि तक लागू हो – अध्यादेश
- जिस पर किसी ने अधिकार कर लिया हो – अधिक्रत
- वह सूचना जो सरकार की ओर से जारी हो – अधिसूचना
- विधायिका द्वारा स्वीकृत नियम – अधिनियम
- अविवाहित महिला – अनूढ़ा
- वह स्त्री जिसके पति ने दूसरी शादी कर ली हो – अध्यूढ़ा
- दूसरे की विवाहित स्त्री – अन्योढ़ा
- गुरु के पास रहकर पढ़ने वाला – अन्तेवासी
- पहाड़ के ऊपर की समतल जमीन – अधित्यका
- जिसके हस्ताक्षर नीचे अंकित हैं – अधोहस्ताक्षरकर्त्ता
- महल का वह भाग जहाँ रानियाँ निवास करती हैं – अंतःपुर/रनिवास
- जिसे किसी बात का पता न हो – अनभिज्ञ/अज्ञ

Noun (संज्ञा)

'किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।'
A noun is a word used as a name of a person, place or thing.

Noun पाँच प्रकार के होते हैं:
1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)

(1) PROPER NOUN

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है।
जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.
(a) Mohan is my friend.
(b) I live in Delhi.

(2) COMMON NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे Common Noun (जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं। जैसे- boy, girl, Village ,city etc.
(a) According to the Girl, the nearest town is very far.
(b) The Girls are going to the nearest village.

(3) COLLECTIVE NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से समूह का बोध हो, उसे Collective Noun कहते हैं। जैसे:
Team, Committee, Army etc.
सामान्यत: Collective Noun का प्रयोग Singular में होता है। इनका प्रयोग Plural में तभी किया जाता है
जब मतभेद दर्शाया जाए या फिर प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ कहा जाए।
(a) The jury is deciding the matter.

(b) The flock of geese spends most of its time in the pasture

(c) The team are divided over the issue of captainship.

(d) The audience have taken their seats.

(4) MATERIAL NOUN

जिस Noun से ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बन सकें, उसे Material Noun कहते हैं।
जैसे: Gold, Silver, Zink, wood etc.
(a) The necklace is made of gold.
(b) He got his furniture made of teak wood.
Material Nouns, Countable नहीं होते हैं, अर्थात् इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। इन्हें मापा या तौला जा सकता
है। इनके साथ सामान्यत: Singular verb का प्रयोग किया जाता है एवं इनके पहले Article का प्रयोग नहीं किया
जाता है।

(5) ABSTRACT NOUN

Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखानहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा कसता है।
जैसे: poverty ,bravery , hatred, laughter , poverty, youth, Honesty .
Abstract Noun का प्रयोग सामान्यत: Singular में किया जाता है।
जैसे: (a) People respect his sincerity.
(b) Honesty is the best policy.
Noun को(A) Countable एवं (B) Uncountable में भी बाँटा जा सकता है।
(A) Countable Nouns
Countable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना की जा सके।
जैसे: (a) We bought six tables.
(b) I have a few friends.
((c) She saw many movies last month.
(B) NON-COUNTABLE NOUNS
Uncountable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना न की जा सके।
जैसे: (a) J. Priestly discovered oxygen.
(b) They decided to sell the furniture.
(c) Much money was wasted on the show.

Countable Noun: Stars, Seconds, Rupees etc.

Uncountable Noun:Money, time, knowledge etc.

Spotting Error

1. The following sentence has three parts 1, 2 and 3. Find the part that has an error in it. If there is no error. choose 4 (Ignore the er ror of punctuation, if any)-

(1)The man

(2) can not live

(3)by bread alone.

(4) No error

Ans. (1)

2.The following sentence has three parts labeled 1,2 and 3. Find the part that has an error in it. If there is no error, choose option 4

(1)Rohini proved

(2) to be the

(3)best dancer than Rani.

(4) No error

Ans.(3)

3.The following sentences have three part labeled 1,2 and 3. Find the part that has a grammatical error in it. If there is no error, choose option 4 (Ignore the error of punctuation, if any)

(1)She spends money

(2) as though she

(3)would be very rich man

(4) No error

Ans.(3)

4.The following sentences have three part labeled 1,2 and 3. Find the part that has a grammatical error in it. If there is no error, choose option 4 (Ignore the error of punctuation, if any)

(1)If I would have spoken

(2) to my father as you spoke to me

(3) he would have beaten me

(4) No error

Ans. (1)

Directions: Read the sentence given below to find out any grammatical or idiomatic error in it. The error, if any, will be in one part of the sentence. The letter (1), (2), (3) & (4) indicating that part is the answer:

(1) The Manager put forward/

(2) a number of critereons/

(3) for the post. /

(4) No error

Ans. (2)

(1)The Railways have made/

(2) crossing the tracks/

(3) a punished offence.

(4)No error

Ans. (3)

(1) A member shall be required/

(2) to pay inter est at such rate/

(3) as is fixed by committee. /

(4) No error

Ans. (3)

(1) On last Sunday /

Chapter – 2

Idioms & phrases

1.carpeteeping statement - Thoughtless statement - व्यापक बयान

2.All at sea - puzzled - आश्चर्यचकित

3.Enough rope - Enough freedom for action - कार्य करने की स्वतंत्रता देना

4.By fits and start - irregularly - अनियमित

5.Fell foul of - Got into trouble with - दुविधा में फसना

6.Token strike - short strike held as waring - बड़ी हड़ताल की चेतावनी

7.Face the music - Get reprimanded - डाट खाना / आलोचना खेलना

8.Look down upon - Hate intensely - घृणा करना

9.Flogging a dead horse -

wasting time in useless effort - बेकार कार्य में समय बर्बाद करना

10.under a cloud - under suspicion - शक के दायरे में

11.Green thumb - To have a natural interest / स्वाभाविकता

12.played havoc - caused destruction / तबाही मचाना

13.No love lost between - Not on good terms / संबंधों में खटास होना

14.Fair and square - Honest / ईमानदार

15.A white elephant -costly or troublesome possession/ महँगी और व्यस्त वस्तु

16.Out and out -Totally / पूर्णतयः

17. On the cuff - On credit / उधारी पर

18.Does not hold water - cannot be believed / विश्वास करने के अयोग्य

19. A wild goose chase - Futile search / व्यर्थ प्रयास

20. In a tight corner - In a difficult situation / कठिन परिस्थिति में

21. Going places - Talented and successful / प्रतिभाशाली और सफल व्यक्ति

22. In cold blood - A murder done with intention / निर्गम हत्या

23. Off and on - Occasionally / कभी-कभी

24.Hart and fast - strict / सख्त

25. Took to heels - Run away in fear / डर कर भागना

26. To keep up - To keep in touch / संपर्क में रहना

27. Make a clean breast - confess without reserve / बिना झिझक या डर के जुर्म या गलती कबूलना

28. Heads will roll - Transfers will take place / स्थानांतरण होना

29. Make no bones about - Do not have any hesitation in anything / बेझिझक

30. Take after - Resembles / समान होना

31. To stave off - postpone / टाल देना

32. To give a piece of mind - To

reprimand / फटकारना

33. Rest on laurels - To be complacent / पुरानी उपलब्धियों का गुणगान करना

34. Pay through nose - Pay an extremely high price / अत्यधिक मूल्य भरना

35. Draw on fancy - Use imagination / कल्पना करना

36.Turn an honest living - Make an legitimate living / ईमानदारी से जीना

37.Give the game away - Give out the secret / राज खोलना

38.cheek by jowl - Very near / बहुत नजदीक

39.Give in - yield / हार मानना

40. Run riot - Act without restraint / स्वतंत्रता का हनन करना

41. Go through fire and water - Undergo any risk / कोई भी खतरा मोल लेना

run. Talking through hat - Talking nonsense / बकवास करना

43. Put up with - Tolerate / बर्दाश्त करना

44. By fits and starts - Irregularly / अनियमित

45. Reading between the lines - Understanding the hidden meaning / छुपे हुए अर्थ को समझ लेना

46. Get the sack - Dismissed from / बर्खास्त हो रहा

47. Pros and cons - considering all the facts / सारे पहलुयो को जांचना

48.By leaps and bounds - very quickly / शीघ्रता से

49. In the good books - In favour with boss / अच्छे संबंध बनाए रखना

50. In the long run - Ultimately / आखिरकार

51. To be always one's beck and call - At one's disposal (Ready to serve one'smaster) / आज्ञा में हाजिर रहना

52. Turn a deaf ear - Disregard / Ignore / Refuse / अनुशासन करना

53. At one's Wait 's end - Puzzled / Confused / Perplexed / चकित

54. To fight tooth and nail - To fight in a determined way for what you want / दृढ़ता के साथ संघर्ष करना

55.The green - eyed monster - Used as a way of talking about jealousy / ईर्ष्यालु

56. Set the record straight - Give a correct account / सही ब्यौरा देना

57. Good samaritan - Helpful person / परोपकारी व्यक्ति

58. Bad blood - Angry feeling / संबंधों में खटास होना

59. To go to the whole hog - To do it completely / पूर्ण करना

60. Lay out - spend / खर्च करना

61. Laying off - Dismissal from jobs / अस्थायी तौर पर निकाल देना

62. By leaps and bounds - At rapid pace / दिन दूनी और रात चौगुनी

63. Spilling the beans - Revealing the information indiscreetly / राज उजागर करना

64. Carry out - Execute / आज्ञा का पालन करना

65. Went to the winds - Dissipated / To be utterly lost / लुप्त हो जाना

66. Ins and outs - Full details / सारा विवरण

67. A White elephant - A costly but useless possession / महंगा परंतु बेकार

68. Fed up - Annoyed / से परेशान होना

69. In the good books - In favour with / कृपापात्र होना

70. Sharp practices - Dishonest means / भ्रष्ट साधन

71. In high spirits - Full of hope and enthusiasm / आशा और उत्साह से भरा हुआ

72. Shake in shoes - Tremble with fear / डर से काँपना

73. Fits and starts - Not regularly / अनियमित

74. Close shave - Narrow escape / बाल - बाल बचना

many managers and not enough people to do the work) / सब मालिक की मालिक कोई नहीं नौकर

818. Make one's mark - Distinguish oneself / सिक्का जमाना

819. Throw in the towel - Acknowledged defeat / हार मान लेना

820. Mare's nest - Worthless thing / लालबुझक्कड़ी खोज

821. Strong in a teacup - Big fuss over a small matter / बात का बतंगड़

822. Blue-blooded - Of noble birth / कुलीन वर्ग का

823. Do a roaring trade - Highly successful / धड़ाधड़ माल बेचना

824. Keep body and soul together - To have just enough sustain / गुजारा करना.

825. Will-o-the wisp - Unreal imaging / मिथ्याभस

826. Cloak-and dagger - An activity that involves mystery and secrecy / घुटने और गुप्तचर के ढंग सा

827.Palm off - To dispose off with the intent to deceive / धोखा देना

828. From stem to stern - All the way from the front of a ship to the back / आगे से पीछे तक

829. Over-egg the pudding - Add unnecessary details to make something seem better or worse / व्यर्थ विवरण

830. Turn over a new leaf - Change one's behaviour for the better / नया जीवन शुरू करना

831. Take up the hatchet - Prepare for go to war / युद्ध की तैयारी करना

832. At loss end - In an uncertain situation / बिना कुछ काम के

833. With might and man - With full force / पूरी शक्ति या बल दे

834.Ruffle somebody's feather - Annoy somebody / उत्तेजित करना

835. Cut short - Interrupt / रोक देना

836. Bad blood - Ill feeling / कटुता

837. A laughing stock - An object of laughter / उपहास का पात्र

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Chapter – 4

COMPREHENSION

कॉम्प्रिहेंशन क्या है?

कॉम्प्रिहेंशन का अर्थ होता हैं – समझने में सक्षम या योग्यता / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्रो को PASSAGE समझाने में मदद करना हैं और VOCABULARY एवं PASSAGE को समझकर प्रश्न के सटीक उत्तर देने की सक्षमता को जाँच करना हैं /

PASSAGE के शब्दों के आधार पर हम कॉम्प्रिहेंशन को दो भागो में विभाजित कर सकते हैं

i. SHORT PASSAGE
ii. LENGTHY PASSAGE

SHORT PASSAGE में लगभग 200 से 400 शब्दों होते हैं जबकि कि LENGTHY PASSAGE में शब्दों की संख्या 2000 तक होते हैं /

एग्जाम में कॉम्प्रिहेंशन से संबंधित DESCRIPTIVE एवं OBJECTIVE दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं /

कुछ एग्जाम में पूछे गये DESCRIPTIVE प्रश्नों का उत्तर इसमें से ही ध्यान से पढकर देना होता हैं और OBJECTIVE प्रश्नों में, प्रश्न में दिए गये चार – पांच उत्तरों में से सही को चुनना होता हैं एवं VOCABULARY से संबंधित प्रश्न जैसे : SYNONYM और ANTONYM भी आते हैं / कही बार कॉम्प्रिहेंशन में प्रयुक्त IDIOMS, VERBAL PHRASES का भी अर्थ पूछा जाता हैं / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्र की अंग्रेजी भाषा को ना केवल पढने/समझने के साथ में IDIOMS, VERBAL PHRASES इत्यादि की जाच करता हैं/

पहले PASSAGE के प्रश्न को ध्यान एवं तेजी से पढ़े फिर PASSAGE को ऐसे ही पढ़े / जैसे ही कोई उत्तर दिखाई दे, उसे ध्यान से पढ़कर उत्तर देना चाहिए/ इसका उपयोग कम समय में अधिक उत्तर देने के लिए करे / इस तरह अच्छे अंक के लिए छात्र को ANALYTICAL POWER की ज़रूरत होती हैं /

यदि छात्र के पास उपयुक्त समय हैं तो वो PASSAGE और प्रश्न को ध्यान से पढ़े फिर एक बार PASSAGE को पढ़ते हुए, जहाँ भी प्रश्न के उत्तर दिखाई दे वहा पर NUMBERING कर लेनी चाहिए /

PASSAGE को ध्यान से पढने से आपको उसकी THEME, IDEA का ज्ञान हो जाएगा / अगर फिर भी समझ में ना आये तो पुनः उसे पढ़े फिर उत्तर दे/ जहाँ तक संभव हो उत्तर को सटीक लिखने की कोशिश करे/ अगर उत्तर देने के लिए कोई शब्द सीमा हैं तो उसका ध्यान ज़रूर रखे / प्रश्न का उत्तर कभी भी BECAUSE या THEREFOR से शुरू नही करना चाहिए/ उत्तर का विशेष ध्यान रखे की वो PASSAGE से ही संबंधित हो / उत्तर लिखेते समय GRAMMATICALY एवं WORD भी सही होना चाहिए/

कही बार किसी WORD को EXPLAIN करने के लिए कहा जाता हैं इनके उत्तर लिखने के लिए आपका EXPLAIN भी अच्छी होनी चाहिए और उत्तर को जितना हो सके उसे साधारण रखने की कोशिश करे/

I. Read the following passage carefully.

I. That large animals require luxuriant vegetation has been a general assumption which has passed from one work to another, but I do not hesitate to say that it is completely false and that it has vitiated the reasoning of geologists on some points of great interest in the ancient history of the world. The prejudice has probably been derived from India, and the Indian islands, where troops of elephants, noble forests, and impenetrable jungles are associated together in everyone's mind. If, however, we refer to any work of travels through the southern parts of Africa, we shall find allusions in almost every page either to the desert character of the country or to the numbers of large animals inhabiting it. The same thing is rendered evident by the many engravings which have been published in various parts of the interior.

2. Dr Andrew Smith, who has lately succeeded in passing the Tropic of Capricorn, informs me that taking into consideration the whole of the southern part of Africa, there can be no doubt of its being a sterile country. On the southern coasts, there are some fine forests, but with these exceptions, the traveller may pass for days together through open plains, covered by poor and

राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा - 2021

1. भाग – 1 सामान्य हिंदी एवं अंग्रेजी
2. भाग – 2 सामान्य विज्ञान एवं कंप्यूटर
3. भाग – 3 इतिहास (भारत + राजस्थान)
4. भाग – 4 भूगोल (भारत + राजस्थान) , कला एवं संस्कृति
5. भाग - 5 संविधान एवं राजनीतिक व्यवस्था (भारत + राजस्थान)
6. भाग - 6 गणित एवं रीजनिंग

इन नोट्स में राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा - 2021 का कम्पलीट सिलेबस (पाठ्यक्रम) शामिल किया गया है , जो लगभग 1400 पेज में समाप्त किया गया है / इनको छात्रों को पड़ने में सिर्फ दो से ढाई माह का समय लगेगा /

नोट्स की विशेषताएं -

1. ये नोट्स निम्नलिखित लोगों के द्वारा तैयार किये गये हैं –
   1) राजस्थान की प्रमुख , प्रसिद्ध , प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों की BEST FACULTIES द्वारा तैयार किये गये हैं , जो अपने अपने विषयों में निपुण हैं तथा जिन्हें कम से कम **राजस्थान पटवारी** का कोर्स पढ़ाने का 5 साल का अनुभव है
   2) इसके आलावा 2/3 वर्षों से **राजस्थान पटवारी** का अध्ययन कर रहे कुछ एक्सपर्ट छात्र , जो किसी वजह से सिलेक्शन नहीं ले पा रहे हैं
   3) कुछ टॉपर्स से हमारा टाई अप है जो फ़िलहाल नौकरी कर रहे है लेकिन आप लोगो को आगे बढ़ाने के लिए वो हमनें अपने इनपुट्स देते हैं और हमने उनको इन नोट्स में शामिल लिया है
   4) इसके आलावा INFUSION NOTES की अपनी एक अलग टीम है जिसमे सभी अपने अपने विषयों के एक्सपर्ट्स हैं , वो लोग इनको रिव्यु करके अंतिम रूप से तैयार करते है

इन नोट्स में क्या क्या शामिल है

1) **राजस्थान पटवारी परीक्षा** का कम्पलीट सिलेबस (पाठ्यक्रम) शामिल किया गया है सिलेबस के अलावा उसी से जुडी हुई ऐसी जानकारी जो परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है

2) पिछले वर्षों में आये हुए प्रश्नों का विश्लेषण करके जो टॉपिक अधिक महत्त्वपूर्ण लगे हैं उन पर अधिक ध्यान दिया गया है
3) सभी नोट्स HANDWRITTEN हैं जो नवीनतम रूप से तैयार किये गये है , साफ - साफ लेखन कार्य किया गया हैं
4) हमने इन नोट्स में TRICKS डाली हैं , जिससे फैक्ट्स को आसानी से याद किया जा सके
5) सिर्फ उतनी ही जानकारी को शामिल किया गया हैं , जो परीक्षा की दृष्टि से महत्व पूर्ण है , अनावश्यक जानकारी को हटा दिया गया है
6) MATHES में प्रत्येक सवाल को 2 तरह से (LONG METHOD + SHORT METHOD) में समझाया गया है तथा प्रश्न भी दिए गये हैं ,और उनके सोलूशन भी
7) रिवीजन के लिए अंत में शोर्ट में वनलाइनर रिवीजन तथ्य भी दिए गये है

ये नोट्स आपकी सफलता में कैसे मदद करेंगे –

1. नोट्स को एक्सपर्ट टीम ने तैयार किया है , जो कोचिग संस्थानों पर पढ़ाते हैं , इसलिए नोट्स की भाषा इतनी सरल है की कोई भी तथ्य एक बार पढने से समझ में आ जाएगा / नोट्स को खुद से ही आसानी से समझा जा सकता है
   इसलिए कोचिग करने की कोई आवश्यकता नही है , इससे हजारों रूपये की कोचिग फीस बचेगी /

2. सारा मटेरियल सिलेबस और पिछले वर्षों में आये हुए प्रश्नों के आधार पर तैयार किया गया हैं तो अनावश्यक डाटा को पढने से बचेंगे साथ ही कम से कम समय में पूरा पाठ्यक्रम समाप्त हो जाएगा ,
3. इसके आलावा हमारे एक्सपट्र्स आपको समय - समय पर बताते रहेंगे की तैयारी कैसे - कैसे करनी है

4. इन नोट्स को कुछ इस तरह से भी तैयार किया गया है , की यदि किसी कारणवश छात्र का एग्जाम नही निकलता है तो उसमे जो जानकारी दी गयी वो किसी अन्य एक्साम्स में भी काम आ सकती है , अर्थात् छात्र इनको पढ़कर किसी अन्य एग्जाम में भी APPEAR कर सकता है /

5. इन नोट्स को इस तरह से तैयर किया गया है कि इनको सभी तरह के छात्र आसानी से पढ़ सकते है , जैसे कमजोर छात्र , मीडियम छात्र , एक्सपर्ट्स छात्र /

PRICE DETAIL -

TOTAL six NOTES COST = 600 * 6 = 3600

लेकिन अभी इसकी कीमत है

2190 = RS. (OF six NOTES)

5 % DISCOUNT , यदि ऑनलाइन पेमेंट करते है तो (109 rs discount)

NOTES COST = 2080 RS.

PAYMENT MODE - BOTH - ऑनलाइन , OFFLINE (CASH ON DELIVERY)

DELIVERY TIME = WITHIN Three DAYS

Online Order के लिए Official website	https://www.infusionnotes.com/product/rajasthan-patwari-notes-handwritten-6-books/
Facebook Page	https://www.facebook.com/infusion.notes
Phone Number	01414045784, 8233195718